नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

जनधन योजना : गरीबों के सपनों को बैंकिंग के पंख

प्रधानमंत्री जनधन योजना ने 10 वर्षों में वह कर दिखाया है जिसे कभी नामुमकिन समझा जाता था—भारत के करोड़ों वंचित और आर्थिक रूप से पिछड़े नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना. संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत ताज़ा आंकड़ों ने इस उपलब्धि को और अधिक सशक्त रूप से रेखांकित किया है—55 करोड़ से अधिक जनधन खाते, रु. 2.5 लाख करोड़ से अधिक जमा राशि और 56 फीसदी से अधिक महिला खाताधारक. यह सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह उस परिवर्तनशील सोच का प्रतीक है जो सबका साथ, सबका विकास की भावना से प्रेरित होकर वित्तीय समावेशन को सामाजिक न्याय की प्राथमिक सीढ़ी बनाती है.

किसी गरीब के लिए बैंक खाता केवल पैसों का ठिकाना नहीं होता, वह उसके आत्मसम्मान का प्रमाण बनता है. यह खाता उसे सीधे सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाता है, बिचौलियों की भूमिका खत्म करता है और नकद रहित लेनदेन को आसान बनाता है. मनरेगा की मज़दूरी हो या प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त, गैस सब्सिडी हो या किसान सम्मान निधि—हर राशि सीधे उसके खाते में पहुंच रही है. यह वित्तीय आत्मनिर्भरता गरीब को नौकरी का मोहताज नहीं, विकल्पों का स्वामी बनाती है.

यह उल्लेखनीय है कि जनधन खातों में 56 फीसदी से अधिक महिलाएं हैं. इससे ग्रामीण भारत की महिलाएं न केवल बचत की ओर प्रेरित हुई हैं, बल्कि घर के बजट में उनकी निर्णायक भूमिका भी सशक्त हुई है. पहले जहां महिला अपनी बचत घर की संदूक में छिपाकर रखती थी, अब वह डिजिटल बैंकिंग की दुनिया में प्रवेश कर चुकी है. केवाईसी अभियान एक दूरदर्शी पहल है. यह सुनिश्चित करेगा कि पुराने खातों में सक्रियता बनी रहे और योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे. अब तक एक लाख ग्राम पंचायतों को कवर किया जाना दिखाता है कि सरकार सिर्फ संख्या नहीं, गुणवत्ता पर भी ध्यान दे रही है.

2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से जनधन योजना की घोषणा की थी, तब कई विशेषज्ञों ने इसे अतिशयोक्ति कहा था. परंतु एक दशक बाद, यही योजना ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस बन गई है. यह मोदी सरकार की सामाजिक-आर्थिक नीतियों में एक क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक है—जहाँ कल्याण सिर्फ घोषणा नहीं, निष्पादन में विश्वास करता है. बहरहाल, बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार इस योजना में अब और सुधारों की जरूरत है. जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में खाताधारकों को डिजिटल लेनदेन, बीमा दावों और बचत निवेश के प्रति जागरूक करने के लिए सामुदायिक स्तर पर वित्तीय शिक्षा शिविर आयोजित किए जाएं.

जिन खातों में नियमित लेनदेन होता है, उन्हें बिना गारंटी के छोटे ऋण देने की सुविधा बढ़ाई जाए ताकि वे स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें. हर ग्राम पंचायत स्तर पर मिनी एटीएम या बैंकिंग मित्र की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि दूरदराज़ के क्षेत्रों में भी बैंकिंग सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध हों. दरअसल,

प्रधानमंत्री जनधन योजना ने दिखा दिया कि जब नीयत साफ हो और नीति स्पष्ट हो, तो परिवर्तन सिर्फ संभव नहीं, अवश्यंभावी होता है. यह योजना सिर्फ बैंकिंग क्रांति नहीं, गरीबी उन्मूलन और आत्मनिर्भर भारत की नींव है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस दूरदर्शी पहल को आज गौरव और वैश्विक प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है.

07 अगस्त, 2025 को 11 वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

गिरिराज सिंह

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है.

स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं. ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं. टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है. ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढियों से कायम रखा गया है.निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है. उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत,रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है.ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं.

जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है. भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है.इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं. पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया गया है. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है.

कौशल भारत और डिजिटल भारत जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं. इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है. वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष,पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है.यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है. हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है.

को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है.

पुरस्कारों की नई श्रेणियां जुड़ीं

वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22 प्रतिशत हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19 प्रतिशत अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59 प्रतिशत ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है. आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है. जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है. वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है. हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार.

125 वें जन्मदिवस पर विशेष

भुलाना न उनको आसान होगा

गंगा की निर्मल रवानी कहेगी
माटी भी उनकी कहानी कहेगी
सूरज थे वो सदा सूरज ही रहेंगे
किरणों की ताजा रवानी कहेगी.

– अज्ञात

डॉ.वंदना पाण्डेय दुबे
प्राचार्य, चंचलबाई महिला महाविद्यालय, जबलपुर

कवि श्रेष्ठ के द्वारा लिखी गई यह पंक्तियां कालजयी प्रखर विलक्षण बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र जी पर पूरी तरह सही चरितार्थ होती है. द्वारका प्रसाद जी का जन्म 05 अगस्त 1901 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में छोटे से गांव पड़री खुर्द में पं. अयोध्या प्रसाद एवं श्रीमती रामदेवी के यहां हुआ था. कालांतर में उनके इस यशस्वी पुत्र का यशगान संपूर्ण राष्ट्र में गूंजा. मिश्र जी की शिक्षा रायपुर, जबलपुर एवं इलाहाबाद में हुई द्य आपने स्नात्तकोत्तर उपाधि के साथ-साथ एल एल बी की डिग्री भी प्राप्त की. युवावस्था में ही आप स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ गएद्य राष्ट्रवादी आंदोलनों में सक्रियता के कारण उन्हें अनेक बार जेल भी जाना पड़ाद्य अपनी कर्मठता एवं तीक्षण बुद्धि के कारण वे कांग्रेस पार्टी के सचेतक के रूप में जाने जाते थेद्य लाला राजपत राय की मृत्यु पर मिश्र जी के तीखे सटीक वक्तव्य एवं उनके द्वारा लिखी गई संपादकीय पर पंडित मोतीलाल नेहरूजी ने प्रशंसा करते हुए कहा था कि सबसे अच्छा आपराधिक वकील भी इतना अच्छा आरोप पत्र नहीं लिख पाता. इलाहाबाद लॉ कॉलेज के तत्कालीन प्राचार्य और पंडित द्वारका प्रसाद जी के गुरु ने इसे पढ़कर बधाई संदेश भेजा था. स्वाभाविक है कि किस भी विद्यार्थी के लिए यह अत्यंत गौरव-गर्व की बात थी.

श्रेष्ठ प्रशासनिक कुशलता एवं अकादमिक योग्यताओं के कारण उन्हें 1956 में सागर विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया. उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने ऊंचाइयों के नए आयाम स्थापित किए. उन्हें अध्ययन करने और नई-नई जानकारी एकत्र करने का जुनून था. उनके लिए कहा जाता था कि उन्हें पढ़ने का व्यसन था पं. मिश्र को साहित्याचार्य (डॉक्टरेट) की विभूति से भी सम्मानित किया गया. कुशल प्रशासक,सुविख्यात साहित्यकार, शिक्षाविद, इतिहास विद, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर राजनेता पंडित द्वारका प्रसाद जी का निधन 31 मई 1988 में हो गया. हर आत्मा हर रूह से एक ही आवाज निकली..
एक रोशन दिमाग था न रहा, देश में एक चिराग था न रहा..!

अन्याय,अव्यवस्था, भ्रष्टाचार भेदभाव, सांप्रदायिकता के खिलाफ उन्हें भयंकर आक्रोश था. वे अद्भुत साहस के साथ बिना जान की परवाह किए इस पर निरंतर प्रहार करते रहे. सत्याग्रह आंदोलनों के मध्य 1930 में जेल में रहकर उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव जीता,किंतु जेल से बाहर आकर पद ग्रहण करते ही तत्कालीन निरंकुश, आतंकित सरकार ने पं. मिश्र के अन्याय विरोधी तेजस्व व्यक्तित्व के भय से उन्हें बर्खास्त कर दिया. इतिहास में यह अपने प्रकार का पहला मामला था. उनके ओजस्व व्यक्तित्व के कारण ही उन्हें 1934 में भी केंद्रीय असेंबली चुनाव लड़ने नहीं दिया गया. यद्यपि सरकार के इस अन्याय का पुरजोर विरोध हुआ, किंतु विदेशी सरकार ने उनके व्यक्तित्व से भयभीत होकर कोई खतरा देना उचित नहीं समझा. शारीरिक मानसिक कष्ट सहने के अदम्य साहस ने उनके व्यक्तित्व को और भी निखारा. उनके आत्मविश्वास ने उन्हें विषम परिस्थितियों एवं विरोधों के बीच भी मानोगे क्या, मानना होगा. हुक्म हूँ मैं फरियाद नहीं की अंतर्भावना से अडिग नहीं होने दिया. वे जानते थे कि सत्य-निष्ठा, ईमानदारी को डिगाना आसान नहीं असंभव भी है. प्रजातांत्रिक/ लोकतांत्रिक समाजवादी व्यवस्थाओं के प्रति उनके निष्ठा ने उन्हें निरंतर संघर्ष रत रखा.

सन् 1942 में स्वतंत्रता संग्राम में उनकी सक्रिय भूमिका एवं आक्रामक विरोध के कारण उन्हें 3 वर्ष के लिए कठोर कारावास में सबसे अलग रखा गया.

दार्शनिक तेजस बुद्धि, ईश्वरवादी मानवीय संवेगों से पूर्ण पं. द्वारका प्रसाद मिश्र जी ने इस समय का सदुपयोग 8 खण्डो में वर्गीकृत प्रसिद्ध काव्य कृति कृष्णायन की रचना करने में व्यतीत किया. सांस्कृतिक, सामाजिक,आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से रचित इस उत्कृष्ट कृति की महान साहित्यकार श्री रामधारी सिंह दिनकर जी ने भी इसे उच्च मानकों की कृति बात कर इसकी सरहाना की. यह कृति देश-विदेश में बड़ी चर्चित हुई और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की छवि से इतर उनके अंदर के एक कवि का संवेदनशील नया चेहरा समाज के सामने आया.

वह प्रखर साहित्यकार थे. पत्रिका शारदा, लोकमत, सारथी का उन्होंने कुशल संपादन किया. उनकी प्रमुख उल्लेखनीय कृतियां है लिविंग इन एरा (आत्मकथा), स्टडीज इन प्रोटोहिस्ट्री ऑफ इंडिया, सर्च ऑफ़ लंका, तुलसी के राम और सीता आदि. उनके साहित्य में विचारों की नवीनता, सार्थकता और व्यावहारिकता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है. हिंदी, अंग्रेजी,संस्कृत,उर्दू आदि भाषा में विशेषज्ञता रखने वाले पं. मिश्र जी का विशाल अध्ययन, विषय प्रतिपादन, तर्क युक्त विश्लेषण, सजकता,गंभीरता, पैनी दृष्टि और सूक्ष्म अवलोकन अद्भुत था. उन्हें उत्कृष्ट पत्रकार के रूप में जाना जाता था. वे भाषा की उदारता के पक्षपाती थे.

रूसी तेल को लेकर भारत से तनातनी

भारत पर यह बंदिश क्यों लादी जानी चाहिए कि वह किस देश के साथ कितना व्यापार करे? इसका फैसला करने वाला अमेरिका कौन होता है? हमारा सार्वभौम गणतंत्र है जिसे अपने राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर फैसला करने का पूरा हक है. 2020-21 से 2024-25 के बीच भारत का रूस से आयात 5.3 अरब डॉलर से बढ़कर 63.8 अरब डॉलर तक बढ़ गया. इसकी मुख्य वजह रूस से तेल की खरीदी थी. पिछले वित्त वर्ष में भारत ने विदेश से कुल 244.5 मिलियन टन कच्चा तेल आयात किया जिसमें से 87.5 मिलियन टन रूसी तेल था. इस तरह भारत के लिए रूस कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया. अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी है कि वह भारत से आयात किए जाने वाले माल पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त पेनाल्टी लगाएंगे.

रूस के साथ भारत का व्यापारिक रिश्ता उनकी आंख की किरकिरी बना हुआ है. ट्रंप चाहते हैं कि भारत रूस से तेल और रक्षा सामग्री न खरीदे. इसके 2 सप्ताह पहले नाटो के महासचिव मार्क रट ने चीन, भारत और ब्राजील जैसे 3 देशों को रूस से व्यापार न करने की चेतावनी दी थी. उनका कहना था कि इस व्यापार की वजह से रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है. अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में पेश विधेयक में ऐसे देशों पर 500 प्रतिशत पेनाल्टी लगाने का प्रस्ताव है जो रूस से यूरेनियम और पेट्रोलियम पदार्थ खरीदते हैं. भारत ने पश्चिमी दबाव के सामने न झुकते हुए कहा कि रूस उसे वैश्विक दाम की तुलना में कम दरों पर तेल दे रहा है जो भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के अनुरूप है. अमेरिकी प्रशासन या यूरोपीय यूनियन द्वारा रोकटोक लगाना यूएन के प्रतिबंधों के तहत नहीं आता. भारत अपने कुल पेट्रोलियम आयात का 36 प्रतिशत रूस से हासिल कर रहा है. भारत अपनी जरूरतें देखते हुए किस देश के साथ कितना व्यापार करता है, इसे निर्णय लेने का उसे अधिकार है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

वोटों की चोरी के सबूत का एटम बम राहुल गांधी दिखा रहे हैं दम

पड़ोसी ने हमसे कहा, %निशानेबाज, कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आरोप है कि बीजेपी ने वोटों की चोरी की है. उन्होंने कहा है कि उनके पास इस संबंध में सबूतों का एटम बम है. उन्हें चुनौती दी जा सकती है कि धमकी देने की बजाय एटम बम फोड़कर दिखाएं. पता चल जाएगा कि कहीं यह बगैर आवाज का फुसकी पटाखा तो नहीं है.

हमने कहा, राहुल जब कह रहे हैं कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोटों की चोरी हुई तो उनके पास कुछ आधार या प्रमाण जरूर होगा. उन्होंने तो यह भी आरोप लगाने में कसर नहीं छोड़ी कि संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा है. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, गरजने वाले बादल बरसते नहीं है. बीजेपी के अधिकांश नेता राहुल को सीरियसली नहीं लेते. वो उन्हें नासमझ या पप्पू करार देते रहे हैं. जहां तक वोटों की चोरी की बात है, राहुल बार-बार यही बताना चाहते हैं कि लोकसभा चुनाव के कुछ ही महीने बाद हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में लाखों वोट कैसे बढ़ गए! शाम 5 बजे

वोटिंग बंद न करते हुए आधी रात तक वोट डलवाए गए. कतार में इतने मतदाता कहां से आ गए. उन्होंने आशंका जताई कि बिहार विधानसभा चुनाव में भी इसी तरह वोटों की चोरी न दोहराई जाए.

हमने कहा, जहां तक चोरी की बात है, उसे 64 कलाओं में से एक माना गया है. चोरी कहां नहीं होती! आपने गीत सुना होगा- चुरा लिया है तुमने जो दिल तो, नजर नहीं चुराना सनम ! राजकपूर-नरगिस की फिल्म का नाम था चोरी-चोरी! सलमान खान, रानी मुखर्जी और प्रीति झिंटा की फिल्म थी-चोरी चोरी चुपके चुपके! सिस्टम ऐसा है जिसमें नोटों से लेकर वोटों तक की चोरी होती है. एक पार्टी दूसरी पार्टी के विधायकों को चुरा कर ले जाती है. भगवान कृष्ण को माखन चोर कहते हैं. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, भगवान महावीर और महात्मा गांधी ने कहा था कि चोरी करना पाप है लेकिन फिर भी चोरियां होती रहती हैं. बच्चे चोर-पुलिस का खेल खेलते हैं. फिल्मी युगल गीत के बोल हैं- नींद चुराई मेरी किसने ओ सनम, तूने ! चैन चुराया किसने ओ सनम तूने ! चोरी चोरी जो तुमसे मिले तो लोग क्या कहेंगे! जहां तक बिहार का चुनाव है वहां पहले भी मतपेटियां चुराई जाती थीं अब ईवीएम का इस्तेमाल होता है. जो पार्टी हार जाती है वह ईवीएम पर शक करती है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11984

- डॉ. सागर खादीवाला

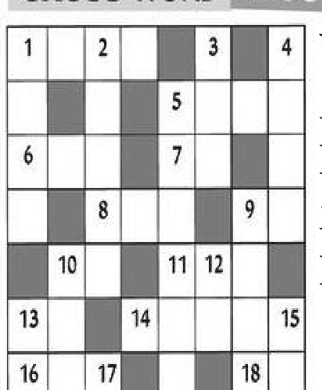

ऊपर से नीचे
1. अत्यधिक, बहुत ज्यादा (सं.) 2. भौंचक रह जाना, हक्काबक्का हो जाना (उर्दू) 3. जो तोला या कूता न जा सके 4. प्रसिद्ध (उर्दू) 5. किसी जगह अधिक लोगों के आने-जाने से उत्पन्न हुई सजीवता, रौनक. 9. समुद्राग्नि (सं.) 10. शोषण करना, जल या नमी चूस लेना 12. पेड़ की त्वचा, वल्कल 13. प्रात:काल, सवेरा (उर्दू) 15. मुसलमानों के शासनकाल में किसी बड़े प्रदेश या सूबे के लिए नियुक्त राज्याधिकारी (उर्दू) 17. नौका

बाएं से दाएं
1. खौलता हुआ पानी, चूल्हे पर गरम होता हुआ पानी 5. चौथाई (सं.) 6. मदिरा, मद्य (उर्दू) 7. भूमि जोतने का प्रसिद्ध उपकरण 8. योग्य (उर्दू) 9. बरगद, वर 10. स्वर्ण, कंचन, नींद लेना 11. बहुत शोक आदि के कारण खड़े-खड़े गिरकर बेहोश हो जाना, कुश्ती का एक दांव 13. वह अनुकूल या प्रिय अनुभव जिसके सदा होते रहने की इच्छा हो 14. मल्ल 16. रूप या अस्तित्व देना, रचना 18. नया 19. इन्द्र का प्रधान अस्त्र 20. इच्छा, चाह, बुलावा (उर्दू)

Solution 11983

दि	न		ल	ता		ची	ख
ल	क्का		रू	मी	र		त
रू		ब	ना	र	स		र
बा	रू	द			द	बा	ना
	प	ला	य	न		ह	क
डों	ग		दि	न	क	र	
	विं			द	मा		आं
प्र	ता	ड़	ना		ल	ज्जा	त

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सुखों की प्राप्ति होगी, मन में उत्साह बना रहेगा, मित्र के सहयोग से व्यापार में लाभ होगा, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, व्यर्थ के वाद विवाद से बचें, वर्ष के मध्य में दाम्पत्य जीवन सुखमय बना रहेगा, धार्मिक कार्यो मेंसंलग्नता रहेगी, राजनीति में असमंजस्यता रहेगी, व्यक्तिगत संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, शिक्षा में व्यवधान आयेगा, वर्ष के अन्त में दौड़धूप होगी, मित्र के व्यक्तिगत विवाद से दूर रहें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को दाम्पत्य जीवन में वाद विवाद होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी, मन में उत्साह बना रहेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों की व्यक्तिगत संबंधों में अत्याधिक दौड़धूप करने से मानसिक तनाव रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्र से व्यर्थ विवाद होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मित्रों का सहयोग रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, गौरवर्ण का लंबे कद का दुबला पतला एवं बुद्धिमान और जिद्दी-मनमौजी होगा, किसी की नहीं सुनेगा, मित्रों की संख्या अधिक होगी, इंजीनियरिंग में तरक्की करेगा, माता पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

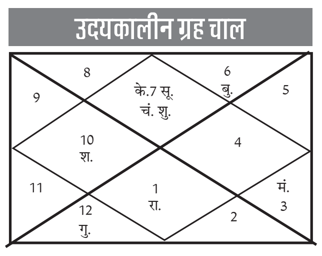

पंचांग

रा.मि. 14 संवत् 2082 श्रावण शुक्ल एकादशी भौमवासरे दिन 11/29, ज्येष्ठा नक्षत्रे दिन 10/57, ऐन्द्र योगे दिन 7/57, विष्टि करणे सू.उ. 5/26 सू.अ. 6/34, चन्द्रचार वृश्चिक दिन 10/57 से धनु, पर्व- पुत्रदा एकादशी व्रत, शु.रा. 9,11,12,3,5,7 अ.रा. 10,1,2,4,6,8 शुभांक- 2,4,8.

व्यापार भविष्य

श्रावण शुक्ल एकादशी को ज्येष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़-खांड, शक्कर, नारियल, छुहारा, बादाम, मीन के भाव में तेजी होगी, अलसी, अरंडी, सींगदाना, में नरमी रहेगी, जूट, पाट, बारदाना, हैसियन, में समता रहेगी, भाग्यांक 3787 है.

मेष- नये कार्य के लिये जरूरी धन की व्यवस्था कर लेंगे, मानसिक प्रसन्नता होगी, व्यापार में सफलता प्राप्त होगी, परेशानियों का निवारण होगा.

वृषभ- घरेलू आयोजन में भाग लेंगे, मातृपक्ष से विशिष्टजनों का समाचार मिलेगा, मतभेदों से बचने का प्रयास करें, मार्गदर्शन मिलेगा.

मिथुन- मित्रों से किया गया वायदा निभाने में मुश्किल होगी, व्यापार में सफलता मिलेगी, महत्वपूर्ण समाचारों की योजना बनेगी, जरूरी विचार विमर्श होगा.

कर्क- रूखे व्यवहार से परिचितों को नाराज कर सकते हैं, शत्रुओं पर विजय मिलेगी, मान सम्मान की प्राप्ति होगी. पूज्य व्यक्ति की सलाह मार्गदर्शन करेगी.

सिंह- नाराज चल रहे लोगों को मनाना मुश्किल होगा, दिखावे के कारण कर्ज हो सकता है, अतिथि आगमन होगा, इष्ट मित्रों के सहयोग से कार्यो में सफलता मिलेगी.

कन्या- विपरीत माहौल में खुद के लिये अनुकूल बना लेंगे, संतान संबंधी कार्यो में व्यस्तता रहेगी, नवीन कार्यो के प्रति मन का झुकाव रहेगा.

तुला- प्रापर्टी संबंधी मामले सुलझने की उम्मीद है, अधिनस्थ लोगों का सहयोग मिलेगा, बेरोजगारों को प्रयास करने पर रोजगार मिलेगा.

वृश्चिक- कारोबारी विस्तार की संभावना, आर्थिक कार्यो में सफलता मिलेगी, कुटुम्बियों का सहयोग प्राप्त होगा, मानसिक प्रसन्नता रहेगी.

धनु- सामाजिक कार्यो में शामिल होकर मन को खुशी मिलेगी, भावनात्मक संबंध बढ़ेंगे, अधिक वाकपटुता से काम बिगड़ सकता है, वार्तालाप संयमित रखें.

मकर- कार्यक्षेत्र में सहयोग लाभदायी रहेगा, यात्रा मे उठाईगीरों से सावधान रहें, दूर गये मित्र के संबंध में समाचार प्राप्त हो सकता है.

कुम्भ- अधिकारियों का मेलजोल लाभदायक रहेगा, इच्छित कार्यो की रूपरेखा बनेगी, सफलता प्राप्त होगी, मन में हर्ष और उत्साह बना रहेगा.

मीन- मन की बात मित्रों से कह दें, तनाव कम होगा, पारिवारिक यात्रा हो सकती है, नौकरी में व्यस्तता रहेगी, तनाव की स्थिति से बचें. शुभ समाचार मिलेगा.

SUDOKU 7116

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-डोकू 7115

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4